राजस्थान

कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (CET)





HANDWRITTEN NOTES



RSMSSB

LATEST EDITION

REAL CELE

(COMMON ELIGIBILTY TEST)

GRADUATION LEVEL

[भाग -6] हिंदी + अंग्रेजी



राजस्थान CEI

(Graduation level)

भाग - 6

हिंदी + अंग्रेजी

प्रस्तावना

प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "राजस्थान CET (स्नातक स्तर) को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपृण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर (RSMSSB) द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "राजस्थान CET (स्नातक स्तर)" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें /

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है। अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302017 (RAJASTHAN)

मो : 01414045784, 8233195718

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

Online order करें https://bit.ly/rajasthan-cet-notes graduation

whatsapp करें - https://wa.link/kmk3lu

मृत्य : ₹

संस्करण: नवीनतम (2022)

हिंदी

1.	सिन्धे और सिन्धे विच्छेद	1
2.	संज्ञा	8
3 .	सर्वनाम	13
4.	विशेषण और विशेष्य	15
5 .	क्रिया एवं क्रियाविशेषण	18
6.	कारक	21
7.	अट्यय (अविकारी शब्द)	23
8.	सामासिक पदों की रचना और समास– विग्रह	28
9.	उपसर्ग	46
10.	प्रत्यय	48
11.	विलोम शब्द	54
12.	. पर्यायवाची शब्द	64
13.	अनेकार्थक शब्द	69
14.	विराम चिह्न	72
15.	हिंदी वर्णमाला (ध्वनि एवं उसका वर्गीकरण)	75
16.	अंग्रेजी के पारिभाषिक शब्दों के समानार्थक हिन्दी शब्द	78
17.	शब्द – शुद्धि	90
18.	. वाक्य – शुद्धि	96
19.	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ	102
20	.राजभाषा हिंदी – संवैधानिक स्थिति	111

21. कार्यालय पत्र	113
<u>English</u>	
1. Article	118
2. Time And Tense	132
3. Active And Passive Voice	145
4. Direct & Indirect Narration	153
5. Preposition	160
6. Translation From English to Hindi	179
7. Antonyms / Synonyms	188
8. Comprehension of a given passage	202
9. Glossary of Ofical, Technical Terms (with their hindi	
versions)	215
10.Letter Writing	227
11. Idioms and Phrases	230
12. One Word Substitution	236



अध्याय - ।

सन्धि

- **सन्धि का अर्थ होता हैं** मेल और विलोम -विग्रह ।
- आपसी निकटता के कारण दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार (परिवर्तन) को सन्धि कहते हैं।

जैसे - हिम + आलय = हिमालय

जगत् + नाथ = जगन्नाथ

नि: + धन = निर्धन

सन्धि के भेद

- 1. स्वर सन्धि
- 2. व्यन्जन सन्धि
- 3. विसर्ग सन्धि

1. स्वर सन्धि

परस्पर स्वर का स्वर के साथ मेल होने पर जो विकार उत्पन्न होता है, उसे स्वर सन्धि कहते हैं।

जैसे - देव + आलय = देवालय

रमा + ईश = रमेश

एक + एक = एकेक

यदि + अपि = यद्यपि

भौ + उक = भावुक

स्वर सन्धि के भेद -

- i. दीर्घ सन्धि
- ii. गुण सन्धि
- iii. वृद्धि सन्धि
- iv. यण सन्धि
- v. अयादि सन्धि

i. दीर्घ सन्धि -

नियम - यदि हस्व या दीर्घ स्वर [अ इ 3] के बाद समान हस्व या दीर्घ स्वर आए तो दोनों के स्थान पर दीर्घ एकादेश होता है।

वैसे- युग् + अन्तर - युगान्तर

युग् अ + अन्तर

युग् आन्तर

युगान्तर

युग् आन्तर

युग् अ + अन्तर

युग + अन्तर

जैसे - हिम् + आलय = हिमालय

हिम् आ लय

हिम् अ + आलय

हिम + आलय

जैसे - राम + अवतार = रामावतार

तथा + अपि = तथापि

मुनि + इन्द्र = मुनीन्द्र (मुनियों में

श्रेष्ठ हैं जो - विश्वामित्र)

कपि + ईश = कपीश (हनुमान, सुग्रीव)

लघु + उत्तम = लघूत्तम

लघु + ऊर्मि = लघूर्मि (छोटी लहर)

भू + ऊर्ध्व = भूर्ध्व स् + उक्ति = सक्ति

PIES

कटु + उक्ति = कटूक्ति 📗

चमू + उत्थान = चमूत्थान (चमू = सेना)

गुरू + उपदेश = गुरूपदेश

वधू + उत्सव = वधूत्सव (वधू - जिसकी शादी की तैयारियां चल रही हो)

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी

विद्या + आलय = विद्यालय

पंच + अमृत = पंचामृत

स्व + अधीन = स्वाधीन

दैत्य + अरि = दैत्यारि (देवता इन्द्र विष्णु)

सत्य + अर्थी = सत्यार्थी

प्रेरणा + आस्पद = प्रेरणास्पद

प्र + ओगन = प्रांगण

शश + अंक = शशांक (चन्द्रमा) [शश = खरगोश, अंक: गोद]

महती + इच्छा = महतीच्छा



फणी + ईश = फणीश (शेषनाग) रजनी + ईश = रजनीश (चन्द्रमा)

दीर्घ सन्धि की पहचान -

दीर्घ सन्धि युक्त शब्दों में अधिकांशत: आ, ई, ऊ की मात्राएँ आती है और इनका विच्छेद इन्हीं मात्राओं से किया जाता है।

अपवाद

अपवाद

(ii) गुण सन्धि-

नियम (1) - यदि अ/आ के बाद इ/ई आए तो दोनों के स्थान पर 'ए' हो जाता है अर्थात्

अ/आ + इ/ई = ए = ऐ

नियम (2) - यदि अ/आ के बाद उ/ऊ आए तो दोनों के स्थान पर 'ओ' हो जाता है अर्थात् अ/आ + उ /ऊ = ओ = औ

नियम (3) - यदि अ/आ के बाद ऋ आये तो दोनों के स्थान पर 'अर्' हो जाता हैं हो जाता हैं। अर्थात

जैसे - गज + इन्द्र = गजेन्द्र

गज् + अ + इन्द्र

गज् एन्द्र

गजेन्द

गज् ए न्द्र

गज् अ + इन्द्र

गज + इन्द्र

जैसे - मृग + इन्द्र = मृगेन्द्र (शेर)

रमा + ईश = रमेश (लक्ष्मी का पति है जो = विष्णु)

सुर + ईश = सरेश (देवताओं का स्वामी = इन्द्र)

नर + ईश = नरेश (राजा)

पर + उपकार = परोपकार

यथा + उचित = यथोचित (जितना उचित हो)

यथा + इच्छा = यथेच्छा (इच्छानुसार)

पुरुष + उत्तम = पुरुषोत्तम (मनु)

नर + उत्तम = नरोत्तम

कथा + उपकथन = कथोपकथक

| ग<u>ुंगा</u>+ ऊर्मि=्गंगोर्मि | | |

महा + उदय = महोदय

सह + उदर = सहोदर (सगा भाई)

नव + ऊढ़ा = नवोढ़ा (नवविवाहिता)

ऊढ़ा - युवती

राका + ईश = राकेश (रात का स्वामी = चन्द्रमा)

गुड़ाका + ईश = गुड़ाकेश (नींद का स्वामी = शिव, अर्ज़न)

हृषीक + ईश = हृषीकेश (इन्द्रियों का स्वामी = विष्णु)

उमा + ईश = उमेश (शिव)

धन + ईश = धनेश (कुबेर)

हृदय + ईश = हृदयेश (कामदेव)

देव + ईश = देवेश (इन्द्र)

महा + इन्द्र = महेन्द्र (शिव)



अपवाद = प्र+ ऊढ़ = प्रोढ़ अक्ष+ऊहिनी = अक्षाँहिणी (विशाल सेना)

ऋ. र ष् - न् ण् जैसे - राम + अयन = रामायण प्र + मान = प्रमाण शूर्प + नखा = शूर्पणखा लक्ष् + मन = लक्ष्मण जैसे- देव + ऋषि = देवर्षि देव + अ + ऋषि

देव् अर् षि

🌂 देवर्षि

सप्त + ऋषि = सप्तर्षि

कण्व + ऋषि = कण्वर्षि

ग्रीष्म + ऋत् = ग्रीष्मर्त्

महा + ऋषि = महर्षि

राजा + ऋषि = राजर्षि

ब्रह्म + ऋषि = ब्रह्मर्षि

वर्षा + ऋत् - वर्षर्त्

महा + ऋण = महर्ण

INFUS WHEN ON

गुण सन्धि की पहचान -

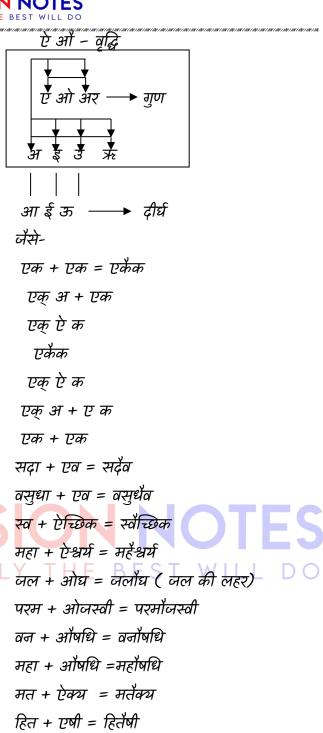
गुण सन्धि युक्त शब्दों में अधिकांशतः ए, ओ की मात्राएँ या र आता है र और इनका विच्छेद इन्हीं मात्राओं से किया जाता है।

(ii) <u>वृद्धि</u> सन्धि -

नियम (1)- यदि अ/आ के बाद ए/ऐ आए तो दोनों के स्थान पर एँ हो जाता है अर्थात

अ/आ + ए/ऐ = ऐ

नियम (2)- यदि अ/आ के बाद ओ।औं आए तो दोनों के स्थान पर औं हो जाता है अर्थात् अ/आ + ओ/औं = औ



धन + एषणा -धर्नेषणा

पुत्र + एषणा = पुत्रेषणा

परम + औदार्य = परमौदार्य (अधिक उदार)

महा + औचित्य - महौचित्य

महा + ऐन्द्रजालिक = महैन्द्रजालिक (महान् जादूगर)



अध्याय - 2

संज्ञा (Noun)

संज्ञा(Noun) की परिभाषा:-

संज्ञा उस विकारी शब्द को कहते हैं, जिससे किसी विशेष वस्तु, भाव और जीव के नाम का बोध हो, उसे संज्ञा कहते हैं

दूसरे शब्दों में- किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, गुण या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं ।

जैसे - प्राणियों के नाम- मोर, घोड़ा, अनिल, किरण जवाहरलाल नेहरू आदि ।

वस्तुओं के नाम- अनार ,रेडियों , किताब, संदूक, आदि ।

स्थानों के नाम- कुतुबमीनार , नगर, भारत, मेरठ आदि

भावों के नाम- वीरता , बुढ़ापा, मिठास आदि

यहाँ 'वस्तु ' शब्द का प्रयोग व्यापक अर्थ में हुआ है, जो केवल वाणी और प्रदार्थ का वाचक नहीं ,वरन उनके धर्मों का भी सूचक है।

साधारण अर्थ में 'वस्तु ' का प्रयोग इस अर्थ में नहीं होता। अतः वस्तु के अंतर्गत प्राणी, प्रदार्थ और धर्म आते हैं। इन्हीं के आधार पर संज्ञा के भेद किये गये हैं।

संज्ञा के भेद

संज्ञा के पाँच भेद होते है-

- (1)व्यक्तिवाचक (Proper noun)
- (2)जातिवाचक (Common noun)
- (3)भाववाचक (Abstract noun)
- (4)समूहवाचक (Collective noun)
- (5)द्रव्यवाचक (Material noun
- (1) व्यक्तिवाचक संज्ञा :-जिस शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम का बोध हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे-

व्यक्ति का नाम-रवीना , सोनियां गाँधी , श्याम, हरि, सुरेश , सचिन आदि ।

वस्तु का नाम- कर , टाटा चाय, कुरान , गीता ,रामायण आदि । स्थान का नाम-ताजमहल, कुतुबमीनार , जयपुर आदि ।

दिशाओं के नाम- उत्तर , पश्चिम , दक्षिण , पूर्व । देशों के नाम- भारत , जापान , अमेरिका, पाकिस्तान , बर्मा ।

राष्ट्रीय जातियों के नाम- भारतीय , रूसी, अमेरिकी।

समुन्द्रों के नाम- काला सागर , भूमध्य सागर , हिन्द महासागर , प्रशान्त महासागर।

निर्देयों के नाम- गंगा, ब्रह्मपुत्र, बोल्गा, कृष्णा कावेरी , सिन्धु ।

पर्वतों के नाम- हिमालय, विन्ध्याचल, अलकनंदा, कराकोरम ।

नगरों चोको और सड़कों के नाम वाराणसी , गया,चाँदनीं चौक, हरिसन रोड़, अशोक मार्ग । पुस्तकों तथा समाचारों के नाम- रामचरित मानस, ऋग्वेद , धर्मयूग, इण्डियन नेशन, आर्यावर्त ।

भ्रम्बद , धमयुग, इण्डियन नरान, आयापत । ऐतिहासिक युद्धों और घटनाओं के नाम- पानीपत की पहली लड़ाई, सिपाही -विद्रोह, अक्तूबर -क्रांति । दिनों महीनों के नाम- मई, अक्टूबर ,जुलाई, सोमवार , मंगलवार ।

त्योहारों उत्सवों के नाम- होली, दीवाली, रक्षाबन्धन, विजयादशमी ।

(2) जातिवाचक संज्ञा :- जिस शब्द से एक जाति के सभी प्राणियों अथवा वस्तुओं का बोध हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

बच्चा , जानवर , नदी, अध्यापक, बाजार , गली, पहाड़, खिड़की, स्कूटर आदि शब्द एक ही प्रकार प्राणी, वस्तु और स्थान का बोध करा रहे हैं। इसलिए ये जातिवाचक संज्ञा' हैं।

जैसे - लड़का, पशु-पिक्षयों वस्तु , नदी , मनुष्य, पहाड़ आदि।

'लड़का' से राजेश, सतीश, दिनेश आदि सभी 'लड़कों का बोध होता है।

'पशु-पक्षियों से गाय, घोड़ा, कुत्ता आदि सभी जाति का बोध होता है।

'वस्तु' से मकान, कुर्सी, पुस्तक, कलम आदि का बोध होता है।

'नदी' से गंगा यमुना, कावेरी आदि सभी नदियों का बोध होता है।

'मनुष्य' कहने से संसार की मनुष्य-जाति का बोध होता है।

https://www.infusionnotes.com/



'पहाड़' कहने से संसार के सभी पहाड़ों का बोध होता हैं।

(3) भाववाचक संज्ञाः-

थकान, मिठास, बुढ़ापा, गरीबी , आजादी , हँसी , चढ़ाई, साहस,

वीरता आदि शब्द-भाव, गुण, अवस्था तथा क्रिया के व्यापार का बोध करा रहें हैं।

इसलिए ये 'भाववाचक संज्ञाएँ' हैं।

इस प्रकार-जिन शब्दों से किसी प्राणी या पदार्थ के गुण, भाव, स्वभाव या अवस्था का बोध होता है, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- उत्साह, ईमानदारी, बचपन, आदि । इन उदाहरणों में 'उत्साह' से मन का भाव है। 'ईमानदारी' से गुण का बोध होता है। 'बचपन' जीवन की एक अवस्था या दशा को बताता है। अतः उत्साह, ईमानदारी, बचपन, आदि शब्द भाववाचक संज्ञाए हैं। हर प्रदार्थ का धर्म होता है। पानी में शीतलता, आग में गर्मी, मनुष्य में देवत्व और पशुत्व इत्यादि का होना आवश्यक है। पदार्थ का गुण या धर्म प्रदार्थ से अलग नहीं रह सकता। घोड़ा है, तो उसमें बल है, वेग है और आकार भी है। व्यक्तिवाचक संज्ञा की तरह भाववाचक संज्ञा से भी किसी एक ही भाव का बोध होता है। 'धर्म, गुण, अर्थ और 'भाव' प्रायः पर्यायवाची शब्द हैं। इस संज्ञा का अनुभव हमारी इन्द्रियों को होता है और प्रायः इसका बहुवचन नहीं होता।

भाववाचक संज्ञाएँ बनानाः-

भाववाचक संज्ञाओं का निर्माण जातिवाचक संज्ञा, विशेषण, क्रिया, सर्वनाम और अट्यय शब्दों से बनती हैं। भाववाचक संज्ञा बनाते समय शब्दों के अंत में प्रायः पन, त्व, ता आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

(1) जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा बनानाः-

जातिवाच	भाववाच	जातिवाच	भाववाच
क संज्ञा	क संज्ञा	क संज्ञा	क संज्ञा
स्त्री-	स्त्रीत्व	भाई-	भाईचारा

जातिवाच क संज्ञा	भाववाचक संज्ञा	जातिवा चक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
मनुष्य-	मनुष्यता	पुरुष-	पुरुषत्व, पौरुष
शास्त्र-	शास्त्रीयता	जाति-	जातीयता
पशु-	पशुता	बच्चा-	बचपन
दनुज-	दनुजता	नारी-	नारीत्व
पात्र-	पात्रता-	बूढा-	बुढ़ापा
लड़का-	लड़कपन	मित्र-	मित्रता
दास-	दासत्व	पण्डित-	पण्डिताई
Y T अध्यापक -	EBES अध्यापन	T ₩ सेवक-	LL D C सेवा

(2) विशेषण से भाववाचक संज्ञा बनानाः-

विशेषण	भाववाच	विशेषण	भाववाचक
	क संज्ञा		संज्ञा
लघु-	लघुता,	वीर-	वीरता,
	लघुत्व,		वीरत्व
	लाघव		
एक-	एकता,	चालाक-	चालाकी
	एकत्व		
खट्टा-	खटाई	गरीब	गरीबी
गंवार	गंवारपन	पागल	पागलपन
बूढा	बुढ़ापा	मोटा	मोटापा
नबाव	नबावी	दीन	दीनता,देंन्य

()	INF	USI	9	I N	OTI	ES
	WHEN	ONLY	THE	BEST	WILL	DO

	बड़ाई	सुंदर	सोंदर्य, सुंदरता		बै ठना	बैठक, बैठकी	बढ़ना	बाढ़
भला	भलाई	बुरा	बुराई	:	घेरना	घेरा	छीकेना	छीकं
ਫੀਠ	ढिठाई	चौंड़ा	चौंड़ाई		फिसल ना	फिसलन	खपना	खपत
लाल	सरलता सारल्य	आवश्यक ता	आवश्यक ता		^र ंगना रंगना	रंगाई, रंगत	मुसकारना	मुसकान
परिश्रमी	परिश्रम	अच्छा	अच्छाई		उड़ना	<u> उड़ान</u>	घबराना	घबराहट
गंभीर	गंभीरता, गांभीर्य	सभ्य	सभ्यता		मुड़ना	मोड़	सजाना	सजावट
स्पष्ट	स्पष्टता	भावुक	भावुक	:	चढ़ना	चढाई	बहना	बहाव
अधिक	अधिकता, आधिक्ग	अधिक	अधिकता	;	मारना	मार	दौंड़ना	दौंड़
सर्द	सर्दी	कठोर	कठोरता	7	गिरना	गिरावट	कूदना	कूद
मीठा	मिठास	चतुर	चतुराई	,	अंत	अंतिम, अंत्य	अर्थ	आर्थिक
सफेद	सफेदी	श्रेष्ठ	श्रेष्ठता	,	अवश्य		अंश	आंशिक
मूर्ख	मूर्खता	राष्ट्रीय	राष्ट्रीयता		अभिमान	आवश्यक अभिमानी	अनुभव	अनुभवी
खोजना	खोज	सीना	सिलाई		इच्छा	ऐच्छिक	इतिहास	
जीतना	जीत	रोना	रुलाई		ईश्वर उन्नति	इश्वरीय उन्नत	उपज कृपा	ऐतिहासिक उपजाऊ कृपालु
लड़ना	लड़ाई	पढ़ना W	H पढ़ाई 🔘 🗎	LY	<u></u> T H कुल	E BES कुलीन	ST WII	्री D (केंद्रीय
चलना	चाल, चलन	पीटना	पिटाई		क्रम	क्रमिक	कागज	कागजी
देखना	दिखावा,	समझना	समझ	7	किता <i>ब</i>	किताबी	कॉटा	कॅटीला
Ψ =/ =//	दिखावट					1-1-(11-11		4,01011
	दिखावट सिंचाई	पड़ना	पड़ाव		केकड़	कंकड़ीला	कमाई	कमाऊ
सींचना	•	पड़ना चमकना	पड़ाव चमक		कंकड़ क्रोध		कमाई आवास	
सींचना पहनना	सिंचाई			;	क्रोध आसमा	केकड़ीला	`	कमाऊ आवासीय
सींचना पहनना लूटना	सिंचाई पहनावा	चमकना	चमक	3	क्रोध	कंकड़ीला क्रोधी	आवास	कमाऊ _
	सिंचाई पहनावा लूट	चमकना जोड़ना	चमक जोड़	3	क्रोध आसमा न	कंकड़ीला क्रोधी आसमानी	आवास आयु	कमाऊ आवासीय आयुष्मान
सींचना पहनना लूटना घटना	सिंचाई पहनावा लूट घटाव	चमकना जोड़ना नाचना	चमक जोड़ नाच	,	क्रोध आसमा न आदि	कंकड़ीला क्रोधी आसमानी आदिम	आवास आयु अज्ञान	कमाऊ आवासीय आयुष्मान अज्ञानी
सींचना पहनना लूटना घटना बोलना	सिंचाई पहनावा लूट घटाव बोल	चमकना जोड़ना नाचना पूजना	चमक जोड़ नाच पूजन		क्रोध आसमा न आदि अपराध	कंकड़ीला क्रोधी आसमानी आदिम अपराधी	आवास आयु अज्ञान चाचा	कमाऊ आवासीय आयुष्मान अज्ञानी चचेरा
सींचना पहनना लूटना घटना बोलना झूलना	सिंचाई पहनावा लूट घटाव बोल झूला	चमकना जोड़ना नाचना पूजना जोतना	चमक जोड़ नाच पूजन जुताई		क्रोध आसमा न आदि अपराध जवाब	कंकड़ीला क्रोधी आसमानी आदिम अपराधी जवाबी जातीय	आवास आयु अज्ञान चाचा जहर	कमाऊ आवासीय आयुष्मान अज्ञानी चचेरा जहरीला
सींचना पहनना लूटना घटना बोलना झूलना कमाना	सिंचाई पहनावा लूट घटाव बोल झूला कमाई	चमकना जोड़ना नाचना पूजना जोतना बचना	चमक जोड़ नाच पूजन जुताई बचाव		क्रोध आसमा न आदि अपराध जवाब जाति	कंकड़ीला क्रोधी आसमानी आदिम अपराधी जवाबी	आवास आयु अज्ञान चाचा जहर जंगल	कमाऊ आवासीय आयुष्मान अज्ञानी चचेरा जहरीला जंगली

INF WHEN	USI	9	I N	OTE	S
WHEN	ONLY	THE	BEST	WILL	DO

X 20/100/100/100/100/100/100/100/100/		. (100 (10) (100 (100 (100 (10) (100 (100 (10) (100 (10) (100 (10) (100 (10) (100 (10) (100 (10) (100 (10) (100 (10) (10) (10) (10) (10) (10) (10) (10) (10) (10) (10) (10)	WHEN ONLY TH	E BEST WILL D		100 100 100 100 100 100 100 100	
<i>द्या</i>	<i>दयालु</i>	a f	दर्दनाक	लोक	लॉकिक	लोभ	लोभी "
दूध	दुधिया,	धन	धनी, धनवान	वेद	वैदिक	वर्ष	वार्षिक
धर्म	धार्मिक	नीति	धनवान नीतेक	व्यापार	व्यापारिक	विष	विर्षेला
खपड़ा	खपड़ैल	खेल	खिलाड़ी	विस्तार	विस्तृत	विवाह	र्ववाहिक
खर्च	खर्चीला	खून	खूनी	विज्ञान	वैज्ञानिक	विलास	विलासी
गाँव	गॅवारू,	गठन	गठीला	विष्णु	र्वेष्णव	शरीर	शारीरिक
गुण	गुण ,	घर	घरेलू	शास्त्र	शास्त्रीय	साहित्य	साहित्यिक
घमंड्	घमंडी	घाव	घायल	समय	सामयिक	स्वभाव	स्वाभाविक
चुनाव	चुणनोंदा,	चार	चाँथा	सिद्धांत		स्वार्थ	स्वार्थी
र्पाश्चेम	चुनावी पश्चिमी	पूर्व	पूर्वी	स्वास्थ्य	सिद्धांतिक स्वस्थ	स्वर्ण	स्वर्णिम
पेट	पेटू	प्यार	प्यारा	मामा	ममेरा	मर्द	मर्दाना
प्यास	प्यासा	पशु	पाशविक	मेंल	मेंला	मधु	मधुर
पुस्तक	पुस्तकीय	पुरान	पौराणिक	रंग	रंगीन, रॅंगीला	रोज	रोजाना
प्रमाण	प्रमाणिक	प्रकृति	प्राकृतिक	साल	सालाना	सुख	सुखी
पिता	पेंतृक	प्रांत	प्रांतीय	समाज	सामाजक	संसार	सांसारिक
बालक	बालकीय	बर्फ 🕢	H बर्फीला O N	ू स्वर्ग _H	स्वर्गीय, स्वर्गिक	_S स्पताह _W	सप्ताहिक
भ्रम	भ्रमक भ्रोत	भोजन	भोज्य	समुद्र	सामुद्रिक, समुद्री	संक्षेप	संक्षिप्त
भूगोल	भौगोलिक	भारत	भारतीय	सुर	सुरीला	सोना	सुनहरा
मन	मानसिक	मास	मासिक	क्षण	क्षणिक	हवा	हवाई
माह	माहवारी	माता	मातृक	लड़ना	लड़ाकू	भागना	भगोड़ा
मुख	मौखिक	नगर	नागरिक	अङ्ना	अङ्गियल	देखना	दिखाऊ
नियम	नियमित	नाम	नामी,	लूटना	लुटेश	भूलना	भुलक्कड्
निश्चिय	निश्चित -	न्याय	नामक न्यायी	पीना	पियक्कड़	तेंश्ना	तेंराक
ना	नाविक	नमक	नमकीन	जड़ना	जड़ाऊ	गाना	गर्वेया
पाठ	पाठ्य	पूजा	पूज्य,	पालना	पालतू	झगड़ना	झगड़ालू
पीड़ा	पीड़ित	पत्थर	पूर्णाज पथरीला	टिकना	टिकाऊ	चाटना	चटदर
पहाड़	पहा <i>ड़ी</i>	रोग	रोगी	बिकना	बिकाऊ	पकना	पका
9013		· ·	``'	अपना	अपनापन	मम	ममता /

https://www.infusionnotes.com/



अध्याय - 18

वाक्य - शुद्धि

अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करना

शब्द शुद्धि के साथ वाक्य शुद्धि का भी भाषा में महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। वाक्य में अनावश्यक शब्द प्रयोग से, अनुपयुक्त शब्द के प्रयुक्त होने से, सही क्रम या अन्विति न होने से, लिंग, वचन, कारक का सही प्रयोग नहीं होने से, सही सर्वनाम एवं क्रिया का प्रयोग न होने से वाक्य अशुद्ध हो जाता है। जो अर्थ के साथ भाषा सौन्दर्य को हानि पहुंचाता है।

।. अनावश्यक शब्द के कारण वाक्य अशुद्धि :

समान अर्थ वाले दो शब्दों या विपरीत अर्थ वाले शब्दों के एक साथ प्रयोग होने तथा एक ही शब्द की पुनरावृत्ति पर वाक्य अशुद्ध हो जाता है। अतः किसी एक अनावश्यक शब्द को हटाकर वाक्य शुद्ध बनाया जा सकता है। इनमें दोनों शब्दों में से किसी एक को हटाना होता है। अतः दोनों रूपों में वाक्य सही हो सकता है। यहाँ एक रूप ही देंगे।

अशुद्ध वाक्य

शुद्ध वाक्य

- मैं प्रातः काल के
 मैं प्रातः काल पढ़ता
 समय पढ़ता हूँ।
- 2. जज ने उसे मृत्यु 2. जज ने उसे मृत्यु दण्ड की सजा दी। दण्ड दिया।
- 3. इसके बाद फिर 3. इसके बाद क्या हुआ क्या हुआ ?
- 4. यह कैसे सम्भव हो 4. यह कैसे संभव है ? सकता है ?
- 5. मेरे पास केवल मात्र 5. मेरे पास केवल एक एक घड़ी है। घड़ी है।
- 6. तुम वापस लौट 6. तुम वापस जाओ। जाओ।
- 7. सारे देश भर में यह 7. सारे देश में यह बात बात फैल गई। फैल गई।
- 8. वह सचिवालय 8. वह सचिवालय में कार्यालय में लिपिक लिपिक है। है।
- विन्ध्याचल पर्वत १.विन्ध्याचल हिमालय हिमालय से प्राचीन है। से प्राचीन है।

- 10. नौजवान युवक 10. नौजवानों को आगे युवतियों को आगे आना चाहिए। आना चाहिए।
- 11. किसी और दूसरे से 11. किसी और से परामर्श लीजिए। परामर्श लीजिए।
- 12. सप्रमाण सहित 12. सप्रमाण उत्तर उत्तर दीजिए। दीजिए।
- 13. गुलामी की दासता 13. गुलामी बुरी है। बुरी है।
- 14. प्रशान्त बहुत 14. प्रशान्त बहुत सज्जन सज्जन पुरुष है। है।
- 15. शायद आज वर्षा 15. शायद आज वर्षा अवश्य आयेगी। आयेगी।
- 16. शायद वह जरूर 16. वह जरूर उत्तीर्ण हो उत्तीर्ण हो जायेगा। जायेगा।
- 17. कृपया शीघ्र उत्तर 17. कृपया शीघ्र उत्तर दें। देने की कृपा करें।
- 18. वह गुनगुने गरम 18. वह गुनगुने पानी से पानी से नहाता है। नहाता है।
- 19. गरम आग लाओ। 19. आग लाओ।
- 20. तुम सबसे 20. तुम सबसे सुन्दर सुन्दरतम हो। हो।

2. अनुपयुक्त शब्द के कारण :

वाक्य में अनुपयुक्त शब्द प्रयुक्त हो जाने से भी वाक्य अशुद्ध हो जाता है अतः अनुपयुक्त शब्द हटाकर उस स्थान पर उपयुक्त शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

- अशुद्ध वाक्य शुद्ध वाक्य
- 1. सीता राम की स्त्री 1. सीता राम की पत्नी थी। थी।
- 2. रातभर गधे भौंकते 2. रातभर कुत्ते भौंकते रहे। रहे।
- 3. कोहिनूर एक 3. कोहिनूर एक बहुमूल्य अमूल्य हीरा है। हीरा है।
- 4. बन्दूक एक शस्त्र 4. बन्दूक एक अस्त्र है। है।
- 5. आकाश में तारे 5. आकाश में तारे चमक रहे हैं। टिमटिमा रहे हैं।
- 6. आकाश में झण्डा 6. आकाश में झण्डा लहरा रहा है। फहरा रहा हैं।



7. उसकी भाषा 7. उसकी लिपि देवनागरी देवनागरी है। है।

8. वह दही जमा रही 8. वह दूध जमा रही है। है।

साहित्य व समाज
 साहित्य व समाज का
 घोर संबंध है।

10. उसके गले में 10. उसके पैरों में बेड़ियाँ बेड़ियाँ पड़ गई। पड़ गई।

11. हाथी पर काठी 11. हाथी पर हौदा रख दो। बाँध दो।

12. चिन्ता एक 12. चिन्ता एक भयंकर भयंकर व्याधि है। आधि है।

13. गगन बहुत ऊँचा 13. गगन बहुत विशाल है। है।

14. वह पाँव से जूता 14. वह पाँव से जूता उतार निकाल रहा है। रहा है।

15. कृपया मेरी 15. कृपया मेरी सौभाग्यवती कन्या सौभाग्याकांक्षिणी कन्या के विवाह में पधारें। के विवाह में पधारें।

16. उसे अपनी योग्यता योग्यता पर अहंकार पर गर्व है। है।

17. राष्ट्रपति ने ।7. राष्ट्रपति ने पुरस्कार पुरस्कार भेंट किए। प्रदान किए।

18. कृष्ण ने कंस की 18. कृष्ण ने कंस का वध हत्या की। किया।

19. विख्यात 19. कुख्यात आतंकवादी आतंकवादी मारा मारा गया। गया।

3. <u>लिंग सम्बन्धी :</u>

वाक्य में प्रयुक्त शब्द के अनुसार उचित लिंग का प्रयोग न होने से भी वाक्य अशुद्ध हो जाता है।

अशुद्ध वाक्य शुद्ध वाक्य

1. यह एकांकी बहुत 1. यह एकांकी बहुत अच्छी है। अच्छा है।

मेरे मित्र की पत्नी
 विद्वान है।
 विद्वान है।

3. मीरां एक प्रसिद्ध 3. मीरां एक प्रसिद्ध कवि थी। कवियत्री है।

4. बेटी पराये घर का 4. बेटी पराये घर का धन होता हैं। धन होती है।

5. सत्य बोलना उसकी 5. सत्य बोलना उसकी आदत था। आदत थी।

6. बुआजी आप क्या 6. बुआजी आप क्या कर रहे हैं? कर रही हैं?

7. आत्मा अमर होता है। 7. आत्मा अमर होती है।

सेनापित को प्रणाम
 सेनापित को प्रणाम
 करना पड़ता है।

 ब्रह्मपुत्र असम में १. ब्रह्मपुत्र असम में बहता है। बहती है।

10. वह स्त्री नहीं 10. वह स्त्री नहीं मूर्तिमन्त करुणा हैं। मूर्तिमयी करुणा हैं।

11. जया एक बुद्धिमान 11. जया एक बुद्धिमती बालिका हैं। बालिका हैं।

12. उसका ससुराल 12. उसकी ससुराल जयपुर में है। जयपुर में है।

<mark>13. तूफान मेल</mark> तेजी से 13. तूफानमेल तेजी से आ रही है। आ रहा है।

14. गंगा पतितपावन 14. गंगा पतित पावनी नदी है। नदी है।

15. रामायण हमारी 15. रामायण हमारा भक्ति ग्रंथ है। भक्तिग्रंथ है।

16. उसके हाथ की वस्तु 16. उसके हाथ की आम थी। वस्तु आम था।

17. वह अपने धुन में जा 17. वह अपनी धुन में रहा है। जा रहा है।

4. वचन सम्बन्धी :

हिन्दी में कुछ शब्द सदैव बहुवचन में प्रयुक्त होते हैं अतः उनका उचित बोध न होने पर तथा कर्ता एवं कर्म के वचन के अनुसार क्रिया प्रयुक्त न होने पर वाक्य अशुद्ध हो जाता है।

अशुद्ध वाक्य शुद्ध वाक्य

वह दृश्य देख मेरी
 वह दृश्य देख मेरी
 आँख में आँसू आ आँखों में आँसू आ गये।
 गया।



2. वृक्षों पर कौवा बोल 2. वृक्ष पर कौवा बोल रहा है।

यह मेरा ही 3. ये मेरे ही हस्ताक्षर हैं। हस्ताक्षर है।

4. आज आपका दर्शन 4. आज आपके दर्शन हो हो गया।

5. अभी तीन बजा है। 5. अभी तीन बजे हैं।

6. यह दस रुपया का 6. यह दस रुपये का नोट है। नोट है।

7. प्रत्येक घोड़े तेज 7. प्रत्येक घोड़ा तेज गति गति वाले नहीं होते। वाला नहीं होता।

8. हिन्दी और अंग्रेजी 8. हिन्दी और अंग्रेजी मेरी भाषा है। मेरी भाषाएँ है।

9. प्यास के मारे 9. प्यास के मारे उसके उसका प्राण निकल प्राण निकल गये।

10. माँ मेरे मामे के घर 10. माँ मेरे मामा के घर गयी है। गयी हैं।

11. दिल्ली में चार 11. दिल्ली में चार गिरफ्तारी हुईं। गिरफ्तारियाँ हुई।

12. विधि का नियम 12. विधि के नियम बड़े बड़ा कठोर होता है। कठोर होते हैं।

13. नवरस में श्रृंगार 13. नवरसों में श्रृंगार का का प्रधान स्थान है। प्रधान स्थान है।

उसकी भूजाएँ 14. उसकी भूजाएँ घृटनों तक लम्बी हैं। घटने तक लम्बी हैं |

15. अब आप पढों। 15. अब आप पढ़िये।

16. आम और कलम 16. आम और कलम शब्द संज्ञा है। शब्द संज्ञाएँ हैं।

17. शहर प्रायः गन्दा 17. शहर प्रायः गन्दे होते होता है। हें।

18. किन्हीं दो पर 18. किन्हीं दो टिप्पणी लिखों। टिप्पणियाँ लिखो।

19. हिमालय पर्वत का 19. हिमालय पर्वतों का राजा है। राजा है।

मेंने मेंने अनेकों 20. अनेक 20. कहानियाँ पढीं। कहानियाँ पढीं।

5. क्रमभंग सम्बन्धी :

वाक्य रचना के आधार पर शब्द के उचित स्थान पर प्रयुक्त न होने से भी वाक्य अशुद्ध हो जाता है।

अशुद्ध वाक्य

1. अधिकतर हिन्दी के 1. हिन्दी के अधिकतर लेखक निर्धन हैं। लेखक निर्धन हैं।

शुद्ध वाक्य

2. यहाँ पर शुद्ध गाय 2. यहाँ पर गाय का का घी मिलता है।

शुद्ध घी मिलता है।

3. शीतल गन्ने का रस 3. गन्ने का शीतल रस पीजिए।

के भक्त थे।

५. हनुमान पक्के राम ५. हनुमान राम के पक्के भक्त थे।

लगाओ।

5. एक खाने की थाली 5. खाने की एक थाली लगाओ।

देश आभारी रहेगा।

6. स्वामी दयानन्द का 6. देश स्वामी दयानन्द का आभारी रहेगा।

उपयोजना मंत्री ७. आज आयेंगे।

योजना उपमंत्री आज आयेंगे।

मारता है।

8. कृत्ते को राम डण्डे से 8. राम डण्डे से कृत्ते को मारता है।

कह सकता।

9. आपको में कुछ नहीं 9. में आपको कुछ नहीं कह सकता।

10. हवा ठण्डी चल रही 10. ठण्डी हवा चल रही

11. सीता के गले में एक 11. सीता के गले में मोतियों का हार है।

मोतियों का एक हार है।

12. अध्यापक रहे हैं।

जी 12. अध्यापक जी छात्रों भगोल छात्रों को पढ़ा को भगोल पढ़ा रहे हैं।

13. वे पुराने कपड़े के 13. वे कपड़े के पूराने व्यापारी हैं।

व्यापारी हैं।

कई रेलवे कर्मचारियों गिरफ्तारी हई।

के 14. रेलवे के कई की कर्मचारियों क्री गिरफ्तारी हुई।

को देखा।

15. मेंने बहते हुए पत्ते 15. मैंने पत्ते को बहते हए देखा।

हो।

16. वास्तव में तुम चतुर 16. तुम वास्तव में चतुर

17. बच्चे को धोकर फल 17. फल धोकर बच्चे को खिलाओ।

खिलाओ।

का आपरेशन होगा।

18. वहाँ मुफ्त आँखों 18. वहाँ आँखों का मुफ्त आपरेशन होगा।

https://www.infusionnotes.com/

98



19. बैर अपनों से अच्छा 19. अपनों से बैर अच्छा नहीं। नहीं।

6. <u>कारक सम्बन्धी :-</u> वाक्य में प्रयुक्त कारक के अनुसार उचित विभक्ति न लगने से, अनावश्यक विभक्ति लगने से भी वाक्य अशुद्ध हो जाता है।

अशुद्ध वाक्य

शुद्ध वाक्य

- पाँच बजने को दस । पाँच बजने में दस मिनट हैं।
- 2. उसके सिर में घने 2. उसके सिर पर घने बाल है। बाल हैं।
- 3. देशभक्त बड़ी बड़ी 3. देशभक्त बड़ी-बड़ी यातनाओं को सहते हैं। यातनाएँ सहते हैं।
- ५. अपने बच्चे ५. अपने बच्चों को चरित्रवान् बनाओ। चरित्रवान् बनाओ।
- 5. दवा रोग को समूल 5. दवा रोग को समूल से नष्ट करती है। नष्ट करती है।
- 6. अपराधी को रस्सी 6. अपराधी को रस्सी बाँधकर ले गए। से बाँधकर ले गये।
- 7. मेरी राय से आप 7. मेरी राय में आप चले जाइए। चले जाइए।
- 8. उसने पत्नी का गला <mark>8</mark>. उसने पत्नी का गला घोंट कर मार डाला। घोंट डाला।
- बन्दर पेड़ में बैठे हैं।
 बन्दर पेड़ पर बैठे हैं।
 सीता घर पर नहीं
- 10. सीता घर नहीं है। 10. सीता घर पर नहीं है।
- 11. उसकी दृष्टि चित्र में 11. उसकी दृष्टि चित्र गड़ी थी। पर गड़ी थी।
- 12. उसने न्यायाधीश 12. उसने न्यायाधीश से को निवेदन किया। निवेदन किया।
- 13. आजकल राजनीति 13. आजकल राजनीति में अपराधी करण हो का अपराधी करण हो गया है। गया है।
- 14. वह बाजार में सब्जी 14. वह बाजार से सब्जी लाने गया। लाने गया।
- 15. राम आज स्कूल से 15. राम आज स्कूल में अनुपस्थित हैं। अनुपस्थित है।
- 16. आज संसद में 16. आज संसद में बजट के ऊपर बहस बजट पर बहस होगी। होगी।

- 17. गुरुजी के ऊपर 17. गुरुजी के प्रति श्रद्धा श्रद्धा रखें। रखें।
- 18. यह ग्रंथ विद्वतापूर्ण 18. यह ग्रथ विद्वता से लिख गया है। लिखा गया है।
- 19. जनता ने सैनिकों 19. जनता ने सैनिकों को उपहार भेजे। के लिए उपहार भेजे।
- 20. आम को खूब पका 20. आम खूब पका होना चाहिए। होना चाहिए।

7. सर्वनाम सम्बन्धी :

सर्वनाम के सही रूप में प्रयोग न होने से भी वाक्य अशुद्ध हो जाता है।

अश्द्ध वाक्य

शुद्ध वाक्य

- मैंने आज अजमेर 1. मुझे आज अजमेर जाना है। जाना है।
- 2. तुम तुम्हारा काम 2. तुम अपना काम करो। करो।
- 3. मेरे को सौ रुपये की 3. मुझे सौ रुपये की आवश्यकता हैं। आवश्यकता है।
- 4. राम <mark>थककर</mark> उसके 4. राम थककर अपने घर में सो गया। घर में सो गया।
- S. यह काम तेरे से नहीं S. यह काम तुझसे नहीं होगा। होगा।
- 6. मैं उनको मिल कर 6. मैं उनसे मिलकर प्रसन्न हुआ। प्रसन्न हुआ।
- सबों ने मान लिया
 सभी ने मान लिया
 सभी ने मान लिया
 कि पृथ्वी घूमती है।
- 8. अपन ठीक रास्ते पर 8. हम ठीक रास्ते पर हैं। हैं।
- तेरे को कहाँ जाना है
 तुम्हें कहाँ जाना है?
- 10. मेरे को पता नहीं वह 10. मुझे पता नहीं वह कहाँ गया ? कहाँ गया?
- 12. हम हमारी कक्षा में 12. हम अपनी कक्षा में गये। गये।
- 13. हमारे वाला मकान 13. हमारा मकान खाली है। खाली है।



- 6.(c) better से पहले 'the' का प्रयोग करें comparative degree के adjective से जब किसी choice का निधारण होता है तो उससे पहले 'the' का प्रयोग किया जाता है जैसे :- He is stronger of the two wrestlers.
- 7.(a) Alimighty से पहले the आयेगा
- 8.(d) a prison की जगह केवल prison का प्रयोग करें

'the' article का प्रयोग नही किया जाता church , prison ,hospital , college , school and bed से पहले जब इन place पर उसी काम के लिए जाते है जिस काम के लिए इनको वनाया गया है

- 9.(d) 'The watch' की जगह a watch का प्रयोग करें क्यूंकि watch का first latter consonant है
- 10.(a) conclusion से पहले 'the' नहीं लगेगा कुछ phrases जैसे : in details , in fear , in hope , in problem इनके बीच में 'the' का प्रयोग नहीं होगा
- II.(d) 'a hour' की जगह 'an hour' का प्रयोग करें
- 12.(e) No error.
- 13.(a) 'Times of india' की जगह The times of india का प्रयोग करें
- 14.(c) 'a elephant' की जगह 'an elephant' का प्रयोग करें
- 15.(e) No error.
- 16.(c) 'an useful' की जगह 'a useful' का प्रयोग करें
- 17.(d) The agra की जगह केवल agra का प्रयोग करें
- 18.(d) by a car नहीं होगा by car होगा by bus ,by car ,by train के बीच में article नहीं लगता है
- 19.(a) trouble से पहले 'a' नहीं लगेगा

in danger , in trouble ,in debt ,in comparison ,in fact जैसे phrases के बीच में article का प्रयोग नहीं होता है

20.(c) little से पहले a लगेगा a little का अर्थ होता है 'थोडा -सा'

Chapter - 2

Time And Tense

Time (समय) और Tense (काल) दोनों ऐसे शब्द हैं जिनमें संबंध होते हुए भी अंतर है। Time का प्रयोग सामान्य अर्थ में होता है, जबकि Tense का प्रयोग विशेष अर्थ में Verb के form का निरूपण करने के लिए किया जाता है। चलिए नीचे दिए गए उदाहरणों पर हम लोग विचार करते हैं -

- 1. Veena goes to the market every Sunday.
- 2. The plane takes off at 5 p.m. tomorrow.
- 3. He had no money yesterday.

उदाहरण (1) में Simple Present Tense का प्रयोग किया गया है। लेकिन इससे Past, Present, और Future तीनों का बोध होता है, वीणा Past time में प्रत्येक रविवार को जाती है और आशा है कि Future time में भी प्रत्येक रविवार को जाएगी।

उदाहरण (2) में स्पष्ट होता है कि प्लेन (plane) कल 5 बजे शाम को प्रस्थान करेगा। इस वाक्य में भी Simple Present Tense का प्रयोग किया गया है, लेकिन इससे future time का बोध होता है।

उदाहरण (3) में Simple Past Tense का प्रयोग किया गया है, तथा इससे past time का बोध होता है।

ऊपर दिए गए उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि Verb के Present Tense में रहने पर भी इस पर Present, Past और Future Time का बोध होता है।

अतः, Verb के Tense तथा इसके प्रयोग को सावधानी से समझने की जरूरत है सर्वप्रथम एक प्रश्न उठता है कि Tense क्या है? इस प्रश्न का उत्तर इस प्रकार है:-

Tense: कार्य के समय के मुताबिक Verb के रूप में जो परिवर्तन होता है, उसे Tense कहते हैं।

Kinds of Tense

- 1. Present Tense (वर्तमान काल)
- 2. Past Tense (भूतकाल)
- 3. Future Tense (भविष्य काल)

1. Present Tense : किसी कार्य के वर्तमान समय में होने या करने जैसे- हो रहा है, हो चुका है, या हो गया है तथा एक लंबे समय से होता रहा है, का बोध हो तो उसे Present Tense कहते हैं।

दूसरे शब्दों में - An action which is done at the present time. जैसे -

1.1 read a book में पुस्तक पढ़ता हैं 1

2.1 am reading a book मैं पुस्तक पढ़ रहा हैं ।

3.1 have read a book मैं पुस्तक पढ़ चुका हूँ।

4.1 have been reading a book for an hour मैं दो घंटे से पुस्तक पढ़ता रहा हूँ।

2.Past Tense : किसी कार्य के बीते हुए समय में होने या करने, हो रहा था, हो चुका था, या हो गया था तथा एक लंबे समय से होता रहा था का बोध हो, तो उसे Past Tense कहते हैं। दूसरे शब्दों में- An action which is done at the Past time, जैसे -

1.1 wrote a letter.

में पत्र लिखता था या मैंने पत्र लिखा।

2.1 was writing a letter. मैं पत्र लिख रहा था।

3..। had written a lette<mark>r.</mark> मैं पत्र लिख चुका था या मैंने पत्र लिखा था

4.1 had been writing a letter for two days. मैं दो दिनों से पत्र लिख रहा था

3. Future Tense : किसी कार्य के आने वाले समय में होने या करने जैसे-हो रहा होगा, होता रहेगा, हो चुका होगा या हो गया होगा तथा एक निश्चित समय से होता आ रहा होगा का बोध हो, उसे Future Tense कहते हैं। जैसे -

1. I shall write a letter.

में पत्र लिखूंगा।

2.1 shall be writing later.

में पत्र लिख रहा हूंगा।

3.1 shall have written a letter.

में पत्र लिख चुका हूंगा।

4. I shall have been writing a letter.

मैं पत्र लिखता आ रहा होऊंगा। उपयुक्त उदहारण से यह स्पष्ट होता है कि Present, Past तथा Future Tense के भी चार -चार उपभेद होते हैं।

1. Present Tense

Present Tense के चार उपभेद होते हैं।

- I. Present Indefinite Tense /Simple Present Tense (सामान्य वर्तमान काल)
- 2. Present Continuous / Progressive Tense (अपूर्ण वर्तमान काल / तात्कालिक वर्तमान काल)
- 3. Present Perfect Tense(पूर्ण वर्तमान काल)
- 4. Present perfect continuous tense (पूर्णापूर्ण वर्तमान काल / पूर्ण तात्कालिक वर्तमान काल)

1. Simple Present Tense

Structure :

Positive tense :-

Subject +main verb +s/es+Object Ex-Ram reads books.

Note:- अगर subject singular है (जैसे- he, she, it या किसी व्यक्ति का नाम) तो verb की first form में s या es प्रयोग करेंगें।

Negative:-

Subject+do/does+not+main verb+Object Ex- Ram does not read books.

Interrogative:-

Ist type:-

Do/does+subj+not+main verb+Object+?

2nd type :-WH words + 1st type LEX- Does ram read books?
note:-यदि subject एकवचन(He ,She ,It ,name) होगा तो main verb में s या es लगायेंगे और अगर subject बहुवचन(you ,we,they) होगा तो main verb में s या es नहीं लगायेंगे । जैसे '-

ram **reads** books. they **read** books.

Rule (1): Simple Present Tense का प्रयोग habitual, or regular or repeated action (नियमित या स्वाभाविक कार्य) कों express (अभिट्यक्त) करने के लिए किया जाता है। जैसे - Mukesh goes to bed at 10 P.M. He always comes here on Sunday. She reads a newspaper every morning. He takes tea without sugar. We work eight hours a day. I live at Mahendru. Shweta and Anshu are girls. I get up at 6 a.m. every morning.

Note: सामान्यत: Time expressing Adverbs (समय सूचक क्रिया विशेषण) जैसे always, often, sometimes, generally, usually, occasionally, rarely, seldom, never, hardly, scarcely, habitually, daily, everyday, every night, every morning, every evening, every week, every month, every year, once a week, once a day, once a month, twise a day, twice a week, twice a month आदि का प्रयोग habitual, or regular or repeated action को express करने के लिए किया जाता है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि उपरोक्त Adverbs का प्रयोग होने पर Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे-

He always comes here at night.

He generally comes here at night.

He usually comes here at night.

He sometimes comes here at night.

He often comes here at night.

He rarely comes here at night.

He seldom comes here at night.

He never comes here at night.

Rule (2): इस Tense का प्रयोग Universal truth (सार्वभॉमिक सत्य) principal (सिद्धांत) permanent activities (स्थायी कार्य) को express(अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है जैसे -

The sun rises in the east.

Two and two makes four.

Man is mortal.

Water boils at 100°C.

The Ganges springs from the Himalayas.

Rule (3) : इस Tense का प्रयोग possession (अधिकार) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है जैसे -

This pen belongs to me.

I have a car.

He owns a big building.

Rule (4): इस Tense का प्रयोग mental activity (मानसिक क्रिया कलाप), emotions तथा feelings को express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। जैसे :-

Note: notice, recognise, see, hear, smell, appear, want, wish, desire, feel, like, love, hate, hope, refuse, prefer, think, suppose, believe, agree, consider, trust, remember, forget, know, understand, imagine, means, mind etc. का प्रयोग mental activity express (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। अत: इन सारे Verbs का प्रयोग Simple Present Tense में होता है।

Rule (5): Simple Present Tense का प्रयोग आने वाले समय में होने वाले सुनियोजित कार्यक्रम (fixed programme) तथा सुनियोजित योजना (fixed plan) को (express) (अभिव्यक्त) करने के लिए किया जाता है। इससे future time का बोध होता है। जैसे -

The college reopens in October.

कॉलेज पुन: अक्टूबर को खुलेगा।

He goes to Chennai next month. वह अगले महीने चेन्नई जाएगा।

She leaves for New York next Monday. D अगले सोमवार को न्यूयॉर्क के लिए प्रस्थान करेगी। The prime minister comes here tomorrow.

प्रधानमंत्री कल यहां आएंगे।

My brother returns tomorrow.

मेरा भाई कल लौटेगा।

<u>Note</u> : इस तरह के वाक्यों में future time expressing Adverbs.

जैसे- Tomorrow, next day, next night, next month, next year, next week, In January, In February, In march on Monday, on Tuesday.etc. का प्रयोग निश्चित रूप से रहता है।

Rule (6): Conditional sentence (शर्त सूचक वाक्यों) में सामान्यतः दो Clauses का प्रयोग होता है।

इनमें एक Principal Clause तथा दूसरा subordinate Clause होता है।



Subordinate Clause – यदि वाक्य if, when, before, after, till, until, unless, as soon as, as long as, in case से स्टार्ट होते हैं, तो इनके साथ Simple Present Tense का प्रयोग होता है। तथा Principal Clause के साथ Simple Future Tense का प्रयोग होता है। जैसे :-

Ex-1

यदि तुम तेज दोंड़ोगे , तो तुम रेस में जीत जाओगे। **If you run fast** , You will win the race.

subordinate Clause , Principal clause

Simple Present Tense , Simple future tense

Sub+VI+obj , sub+shall/will+V2+obj

Ex-2

When he comes here, **he will help me.** जब वह यहाँ आएगा ,वह मेरी मदद करेगा।

Ex-3

Unless she works hard, she will not succeed. यदि वह कठिन परिश्रम नहीं करेगी, वह सफल नहीं हो पाएगी।

Ex-4

मैं उसे (स्त्री) पढ़ाऊंगा , यदि वह आएगी <u>1 shall teach her</u> , **if she comes**.

Principal clause

Subordinate clause

Rule (7): Here or There से स्टार्ट होने वाले exclamatory sentence में Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे -Here comes they! There goes the bus!

Rule (8) : आंखों देखा हाल का प्रसारण (मैच, आयोजन, कार्यक्रम, नाटक, फिल्म, सीरियल आदि) रेडियो या टेलीविजन के द्वारा करने के लिए Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे – Ex-1

Ganguly runs after the ball, catches it and throws it on the stumps.

Ex-2

In the film, my elder brother plays the role of Dashrath.

Rule (9): Author (लेखक) के statement (कथन) को express (अभिव्यक्त) करने के लिए Simple Present Tense का प्रयोग होता है जैसे -Shakespeare says, " The course of true love never runs smooth". Keats says, " A thing of beauty is a joy for ever".

Rule (10): History (इतिहास) के past events (बीते हुए घटनाओं) को जीवंत या ताजा बना कर दिखाने के लिए Present Continuous Tense का प्रयोग होता है जैसे-

Babar crosses the plains, Ibrahim opposes him with a large army.

At last, Ram kills Ravan.

2. Present Continuous Tense:-

Structure :-

Positive:

Subject+is/are/am+M.Ving +Object Ex- Ram is going to market.

Negative:-

Subject+is/are/am+not+M.Ving+Object Ex- Ram is not going to market.

Interrogative:-

Isttype:-

Is/are/am+Subj+not+M.Ving+Object+?

2nd type: -WH words + 1st type

Ex-Us ram going to market?

Ex-Where is ram going?

Use of Present Continuous Tense:-

<u>Rule (1)</u>: Present Continuous Tense का प्रयोग ऐसे (Actions) कार्यों के लिए होता है, जो बोलने के वक्त जारी हो (continued) हो। An action going on at the time of speaking. **जैसे** -

- 1) Mukesh is coming now.
- They are playing.
- 3) The girls are playing the kho kho.
- 4) Vinay is playing cricket.
- She is writing her name on the blackboard.
- 6) Your teacher is teaching chapter '5'.

<u>Note</u>: now, at present, at the moment, this morning, currently, this evening. आदि समय सूचक शब्दों का प्रयोग Present Continuous Tense में होता है जैसे -

- Mr. Jha is teaching mathematics at present.
- 2) He is reading a novel now.



Chapter - 8

Comprehension Passage

कॉम्प्रिहेंशन क्या हैं? कॉम्प्रिहेंशन का अर्थ होता हैं – समझने में सक्षम या योग्यता / कॉम्प्रिहेंशन का उद्देश्य छात्रो को PASSAGE समझाने में मदद करना हैं और VOCABULARY एवं PASSAGE को समझकर प्रश्न के सटीक उत्तर देने की सक्षमता को जाँच करना हैं /

PASSAGE के शब्दों के आधार पर हम कॉम्प्रिहेंशन को दो भागो में विभाजित कर सकते हैं

i. SHORT PASSAGE

ii. LENGTHY PASSAGE

SHORT PASSAGE में लगभग 200 से 400 शब्दों होते हैं जबकि कि LENGTHY PASSAGE में शब्दों की संख्या 2000 तक होते हैं /

एग्जाम में कॉम्प्रिहेंशन से संबंधित DESCRIPTIVE एवं OBJECTIVE दोनों तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं / कुछ एग्जाम में पूछे गये DESCRIPTIVE प्रश्नों का उत्तर इसमें से ही ध्यान से पढ़कर देना होता हैं और OBJECTIVE प्रश्नों में, प्रश्न में दिए गये चार - पांच उत्तरों में से सही को चुनना होता है एवं VOCABULARY से संबंधित प्रश्न जैसे: SYNONYM और ANTONYM भी आते हैं / कही बार कॉम्प्रिहेंशन में प्रयुक्त IDIOMS, VERBAL PHRASES का भी अर्थ पूछा जाता हैं / कॉम्प्रिहेंशन का उद्देश्य छात्र की अंग्रेजी भाषा को ना केवल पढ़ने/समझने के साथ में IDIOMS, VERBAL PHRASES इत्याति की जाच करता हैं/

पहले PASSAGE के प्रश्न को ध्यान एवं तेजी से पढ़े फिर PASSAGE को ऐसे ही पढ़े / जैसे ही कोई उत्तर दिखाई दे, उसे ध्यान से पढ़कर उत्तर देना चाहिए/ इसका उपयोग कम समय में अधिक उत्तर देने के लिए करे / इस तरह अच्छे अंक के लिए छात्र को ANALYTICAL POWER की ज़रूत होती हैं /

यदि छात्र के पास उपयुक्त समय हैं तो वो PASSAGE और प्रश्न को ध्यान से पढ़े फिर एक बार PASSAGE को पढ़ते हुए, जहाँ भी प्रश्न के उत्तर दिखाई दे वहा पर NUMBERING कर लेनी चाहिए I

PASSAGE को ध्यान से पढ़ने से आपको उसकी THEME, IDEA का ज्ञान हो जाएगा / अगर फिर भी समझ में ना आये तो पुनः उसे पढ़े फिर उत्तर दे/ जहाँ तक संभव हो उत्तर को सटीक लिखने की कोशिश करे/ अगर उत्तर देने के लिए कोई शब्द सीमा हैं तो उसका ध्यान ज़रूर रखे / प्रश्न का उत्तर कभी भी BECAUSE या THEREFOR से शुरू नहीं करना चाहिए/ उत्तर का विशेष ध्यान रखे की वो PASSAGE से ही संबंधित हो / उत्तर लिखेते समय GRAMMATICALY एवं WORD भी सही होना चाहिए/

कही बार किसी WORD को EXPLAIN करने के लिए कहा जाता हैं इनके उत्तर लिखने के लिए आपका EXPLAIN भी अच्छी होनी चाहिए और उत्तर को जितना हो सके उसे साधारण रखने की कोशिश करें।

I. Read the following passage carefully.

- I. That large animals require luxuriant vegetation has been a general assumption which has passed from one work to another, but I do not hesitate to say that it is completely false and that it has vitiated the reasoning of geologists on some points of great interest in the ancient history of the world. The prejudice has probably been derived from India, and the Indian islands, where troops of elephants, noble forests, and impenetrable jungles are associated together in everyone's mind. If, however, we refer to any work of travels through the southern parts of Africa, we shall find allusions in almost every page either to the desert character of the country or to the numbers of large animals inhabiting it. The same thing is rendered evident by the many engravings which have been published in various parts of the interior.
- 2. Dr Andrew Smith, who has lately succeeded in passing the Tropic of Capricorn, informs me that taking into consideration the whole of the southern part of Africa, there can be no doubt of its being a sterile country. On the southern coasts, there are some fine forests, but with these exceptions, the traveller may pass for days together through open plains, covered by poor and scanty vegetation. Now, if we look to the animals inhabiting these wide plains, we shall find their numbers extraordinarily great, and their bulk immense.



3. It may be supposed that although the species are numerous, the individuals of each kind are few. By the kindness of Dr Smith, I am enabled to show that the case is very different. He informs me that in one day's march with the bullock-wagons, he saw, without wandering to any great distance on either side, between one-hundred and one-hundred and fifty rhinoceroses—the same day he saw several herds of giraffes, amounting together to nearly a hundred.

4. At the distance of a little more than one march from their place encampment on the previous night, his party actually killed eight hippopotamuses at one spot and saw many more. In this same river, there were likewise crocodiles. Of course, it was a case quite extraordinary to see so many great animals crowded together, but it evidently proves that they must exist in great numbers. Dr Smith describes that the country passed through that day as 'being thinly covered with grass, and bushes about four feet high, and still more thinly with mimosa trees'.

5. Besides these large animals, anyone the least acquainted with the natural history of the Cape has read of the herds of antelopes, which can be compared only with the flocks of migratory birds. The numbers indeed of the lion, panther, and hyena, and the multitude of birds of prey, plainly speak of the abundance of the smaller quadrupeds. One evening, seven lions were counted at the same time prowling round Dr Smith's encampment. .As this, an able naturalist remarked to me, each day the carnage in Southern Africa must indeed be terrific! I confess that it is truly surprising how such a number of animals can find support in a country producing so little food.

6. The larger quadrupeds no doubt roam over wide tracts in search of it; and their food chiefly consists of underwood, which probably contains many nutrients in a small bulk. Dr. Smith also informs me that the vegetation has a rapid growth; no sooner is a part consumed, than its place is supplied

by a fresh stock. There can be no doubt, however, that our ideas respecting the apparent amount of food necessary for the support of large quadrupeds are much exaggerated. The belief that where large quadrupeds exist, the vegetation must necessarily be luxuriant is more remarkable because the converse is far from true.

7. Mr. Burchell observed to me that when entering Brazil, nothing struck him more forcibly than the splendour of the South American vegetation contrasted with that of South Africa, together with the absence of all large quadrupeds. In his travels, he has suggested that the comparison of the respective weights (if there were sufficient data) of an equal number of the largest herbivorous quadrupeds of each country would be extremely curious. If we take on the one side, the elephants, hippopotamus, giraffe, bos caffer, elan, five species of rhinoceros; and on the American side, two tapirs, the quanaco, three deer, the vicuna, peccari, capybara (after which we must) choose from the monkeys to complete the number), and then place these two groups alongside each other; it is not easy to conceive ranks more disproportionate in size. 8. After the above facts, we are compelled to conclude, against the anterior probability that among the Mammalia there exists no close relation between the bulk of the species, and the quantity of the vegetation in the countries which they inhabit. Adapted from: Voyage of the Beagle, Charles Darwin (1890) [CBSE Sample Paper 2016]

A. On the basis of your understanding of the passage, answer the following questions by choosing the most appropriate option.)

Question (i) What is the primary concern of the author?

(a) Discussing the relationship between the size of mammals and the nature of vegetation in their habitats



- (b) Contrasting ecological conditions in India and Africa
- (c) Proving that large animals do not require much food
- (d) Describing the size of animals in various parts of the world

Answer:

(a) Discussing the relationship between the size of mammals and the nature of vegetation in their habitats

Question (ii)

According to the author, what has led to the 'prejudice'?

- (a) Errors in the reasoning of biologists
- (b) False ideas about animals in Africa
- (c) Incorrect assumptions on the part of geologists
- (d) Doubt in the mind of the author **Answer**:
- (b) False ideas about animals in Africa

Question (iii)

Why are the flocks of migratory birds mentioned in the passage?

- (a) To describe an aspect of the fauna of South Africa
- (b) To illustrate a possible source of food for large carnivores
- (c) To contrast with the habits of the antelope
- (d) To suggest the size of antelope herds

 Answer:
- (c) To contrast with the habits of the antelope

Question (iv)

Why does Darwin quote Burchell's observations?

- (a) To counter a popular misconception
- (b) To describe a region of great splendour
- (c) To prove a hypothesis
- (d) To illustrate a well-known phenomenon

 Answer:
- (d) To illustrate a well-known phenomenon

Question (v) What struck Mr Burchell, when he

entered Brazil?

- (a) South African vegetation
- (b) Presence of all large quadrupeds
- (c) South American vegetation contrasted with that of South Africa
- (d) Equal number of the largest herbivorous quadrupeds

Answer:

- **(c)** South American vegetation contrasted with that of South Africa
- B. Answer the following questions briefly.
- $(1 \times 7 = 7 \text{marks})$

Question (i)

What prejudice has vitiated the reasoning of geologists?

Answer:

The prejudice that large animals require luxuriant vegetation has vitiated the reasoning of geologists.

Question (ii)

Why does Dr Smith refer to Africa as a sterile country?

Answer:

Dr Smith refers to Africa as a sterile country. Here, the traveller may pass for days together through open plains, covered by a poor and scanty vegetation.

Question (iii)

What is the 'carnage' referred to by Dr Smith?

Answer:

Dr Smith refers to the number of prey animals killed by predators as carnage.

Question (iv)

What does Darwin's remark, 'if there were sufficient data' indicate?

Answer:

Darwin's remark indicates that comparison of the weights of herbivores is largely speculative.

Question (v)

To account for the 'surprising' number of animals in a 'country producing so little



food', what partial explanation does Darwin suggest? Answer:

To account for the 'surprising' number of animals in a country producing so little food, Darwin suggests that food requirements have been overestimated. He also suggests a rapid growth of plant material.

Question (vi)

Find a word from the passage (para-5) which means 'the violent killing of large number of people'.

Answer:

carnage

Question (vii)

Find a word from the passage (para-6) which means 'animals that have four legs'.

Answer:

quadrupeds

2. Read the passage given below.

- I. Roshni Bairwa remembers running all the way from her home in Tonk's Mahmoodnagar Dhani village to the room where the 'bal samooh' (children's group) met. "My grandparents are getting me married, you have to do something," the then 12-year-old told the 20 or so children sitting there.
- 2. The children, all aged between eight and 16, trooped up to Roshni's house and urged her grandparents to stop the impending wedding. Others, including village elders and teachers, joined in. The wedding was stopped. She had discovered a way out of the quagmire with the help of a local NGO and the village children.
- 3. When she was in class XII, the pressure to get married returned. This time her uncle found a match for her. When she resisted, she was taunted and beaten. People would point to her as the girl who brought shame to her family and asked their children not to speak to her. "I was 16 years old and alone in the world. I walked to school with my eyes

fixed to the ground. I would think sometimes, what have I done that is so terrible for everyone to hate me so much?

I would cry myself to sleep," recalls Roshni, who lost her father when she was two and had been abandoned by her mother shortly after. But even in those dark moments, Roshni didn't give up, moving out of the village to Peeplu tehsil in Rajasthan where she rented a room and attended college.

- 4. With education and independence came a sense of confidence. "I kept in touch with the children in the village. Every time there was child marriage, they would call me and I would go to stop it. I realised I had already been thrown out of the village, the worst had already happened, what else could the villagers do? So I went and fought with everyone who was getting their child married," she says with a laugh. So far she has stopped over a dozen marriages.
- S. Even without the support of the law, young girls have been crusading against the practice. Earlier this month, 19-year-old Sushila Bishnoi from Barmer succeeded in getting her marriage annulled, submitting photographs, and congratulatory messages from her husband's Facebook account to the court. The court accepted these as evidence that the union took place when both the bride and groom were 12 years old and declared the marriage invalid.
- 6. Seema Bairwal (name changed) was 15 when she was married to a man a few years older. Later when she started attending 'bal samooh' meetings with NGO Shiv Shiksha Samiti and Save the Children, it dawned on her that she had a choice. "I learnt that my life is mine. I have the power to say no to marriage.

1.1 On the basis of your reading of the passage, answer the following questions by choosing the best of the given choices.

Question (a)
The brides mentioned in the passage are



rebels against

- (i) the dowry system
- (ii) child marriage
- (iii) purdah system
- (iv) arranged manages

Answer:

(ii) child marriage

Question (b)

When Roshni was twelve years old, she succeeded in her mission with the help of

- (i) 20 children aged between eight and sixteen
- (ii) her grandparents
- (iii) 20 children, her grandparents, village elders and teachers
- (iv) children and an NGO

Answer:

(iii) 20 children, her grandparents, village elders and teachers

Question (c)

When she Wps sixteen the people of the village

- (i) taunted her and beat her up
- (ii) boycotted her
- (iii) were angry with her
- (iv) were sympathetic and understanding

Answer:

(i) taunted her and beat her up

Question (d)

Roshni moved out of the village in order to

- (i) seek a job
- (ii) escape the villagers
- (iii) attend college
- (iv) marry a boy of her choice

Answer:

(iii) attend college

Question (e)

'Give up' in para 3 means

- (i) stop attending classes
- (ii) stop doing something
- (iii) very eager
- (iv) voluntary help

Answer:

(ii) stop doing something

Question (f)

'Annulled' in para 5 means

- (i) To state officially that something is not legally valid
- (ii) Help somebody
- (iii) impending doom
- (iv) social works

Answer:

(i) To state officially that something is not legally valid

1.2 Answer the following.

- (a) The children, all aged between eight and 16, trapped to and urged her grandparents to stop the impending wedding.
- (b) Roshni lost her father when she was only years old.
- (c) Education and independence made Roshni confident. [True/False]
- (d) 'Bal Samooh' meetings with NGO Shiv Shiksha Samiti and 'Save the Children' encouraged

child marriage. [True/False]

Answer:

- (a) Roshini's house
- (b) two
- (c) True
- (d) False

1.3 Find words/expressions from the passage that have a meaning similar to the following.

- (a) about to happen soon (paragraph 2)
- (b) realised (paragraph 6)

Answer:

- (a) impending
- (b) dawned upon her

3. Read the passage given below.

I. White House security entrance at 2:15 PM on Tuesday, October 17: There are six Indians in immaculate sherwanis that the secret service is trying to clear through by matching their passports or drivers' licences to the



नोट - प्रिय उम्मीदवारों, यहाँ हमने केवल SAMPLE ही दिया है, पूरा टॉपिक नहीं दिया है / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये हमारे संपर्क नंबर पर कॉल कीजिए या लिंक पर क्लिक करें / दोस्तों, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी "राजस्थान CET (Graduation level)" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे और आप "INFUSION NOTES" के साथ इस परीक्षा में जरूर सफल होंगे, धन्यवाद /

RAS Pre. 2021 की परीक्षा में हमारे नोट्स में से 74 प्रश्न आये थे , जबकि cutoff मात्र 64 प्रश्न पर गयी थी /

संपर्क करें - 8504091672, 8233195718,9694804063, 7014366728
प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए
प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा) WHEN	DATE OXLY THE BES	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
REET (लेबल -1, 2)	2021	98 (150 में से)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान ऽ.।. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)



3 JULIU PARTINE PARTIN	88 1	I I NOVE I N
राजस्थान ऽ.।. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान ऽ.।. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2 nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1 st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2 nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (Ist शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021 WHEN	14 नवम्बर 2021 🗈 शिफट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1 st शिफ्ट)	89 (160 में से)
	·	

& Many More Exams like REET, UPSC, SSC Etc.

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. 2021 - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s



अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें। संपर्क करें- 7014366728, 8233195718, 9694804063, 8504091672

ONLINE ORDER के लिए OFFICIAL WEBSITE	https://bit.ly/rajasthan -cet-notes-graduation
PHONE NUMBER	+918504091672
INRU	9887809083 +918233195718 EST WILL DO
TELEGRAM	https://t.me/infusion_notes
FACEBOOK PAGE	https://www.facebook.com/infusi on.notes
WHATSAPP करें	https://wa.link/kmk3lu